संख्या- 57 /2021/823/सैंतीस-2-2021-1(53)/02

प्रेषक ,

विनोद कुमार द्विवेदी ,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में ,

निदेशक ,
प्रशासन एवं विकास,
पशुपालन विभाग ,उ,0प्र0लखनऊ।

पशुधन अनुभाग2- लखनऊ :: दिनांक- 11 मई,2021

विषयः- **राज्य में पशुधन संख्या एवं विभिन्न पशुजन्य पदार्थों के उत्पादन के जनपदवार अनुमान प्राप्त करने की सर्वेक्षण योजना (के0 50/रा0 50-के0+रा0) अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-01-03/15(10) संख्या अनुभाग-2/2021-22, दिनांक 05.04.2021 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन-113-प्रशासनिक अन्वेषण तथा सांख्यिकी-01-केन्द्र प्रायोजित योजनायें-0101-पशुधन उत्पादन तथा प्रबन्ध सांख्यिकी अध्ययन तथा शोध कार्य (के.50/रा.50-के.+रा.) के अन्तर्गत निम्नलिखित मानक मदों में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष केन्द्रांश प्राप्त होने की प्रत्याशा में तीन माह (प्रथम त्रैमास) के वेतन-भत्तों आदि के लिए रू0 71.97 लाख (रूपये इक्हत्तर लाख सत्तानवे हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं-:

मानक मद	प्राविधानित धनराशि (लाख में)	स्वीकृति हेतु प्रस्तावित धनराशि (लाख में)
01-वेतन	212.00	53.00
03-मंहगाई भत्ता	63.60	15.9
6-अन्य भत्ते	0.30	0.07
55-मकान किराया भत्ता	12.00	3.00
योग-	**287.9**	**71.97**

(रू0 इक्हत्तर लाख सत्तानवे हजार मात्र)

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं मदों में योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
2. स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरण हेतु, यदि जनपद स्तर पर आहरण वितरण अधिकारी हों, तो संबंधित जनपदों को आवंटित किया जाय तथा विभागाध्यक्ष स्तर पर एकमुश्त आहरण न किया जाय।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया हैइ :अत ,स पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

up shasanadesh.com

4. किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि का आहरण कर बैंक/डाकघर में न जमा किया जाय तथा इसका व्यय नई मदों/कार्यों में न किया जाय।
5. प्रायोजना में सम्मिलित उपकरणों/सामग्रियों आदि का क्रय जेम पोर्टल के माध्यम से भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत सुसंगत शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा। जेम पोर्टल पर दरें उपलब्ध न होने की दशा में ही इनका क्रय सुसंगत क्रय नियमों/स्टोर पर्चेज रूल्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार किया जायेगा।
6. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों में प्रशासकीय व्यय में मितव्ययता संबंधी शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-3/2021/बी-1-375/दस-2021-231/2021, दिनांक-22.03.2021 में उल्लिखित दिशा-निर्देशों तथा शासनादेश दिनांक-06.06.1994 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
8. निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग एतद्विषयक शासकीय दिशा-निर्देशों एवं वित्तीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष202 12-2 में अनुदान सं 15-0के अधीन लेखाशीर्षक-पशुपालन-2403-प्रायोकेन्द्र-01-प्रशासनिक अन्वेषण तथा सांख्यिकी-113जित योजनायें दन तथा प्रबन्धधन उत्पापशु-0101-की सुसंगत इकाईयों (.रा+.के-50.रा/50.के)यन तथा शोध कार्य सांख्यिकी अध्यके नामे डाला जायेगा।

3- 1-अनुभाग (यकव्य-आय) यह आदेश वित्तके कार्यालय ज्ञाप-संख्या-दस/375-1-बी/2021/3-2021/231-2021, दिनांक2021.03.22- में प्रदत्त अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनोद कुमार द्विवेदी)
अनु सचिव।

पृ0सं0 57 /2021/823/सैंतीस-2-2021तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-:

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. संयुक्त सचिव, भारत सरकार, पशुपालन एवं दुग्ध विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं दुग्ध मँत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली।
3. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
4. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/नियोजन अनु0-3/वित्त संसाधन (केन्द्रीय-सहायता) अनुभाग।
5. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद कुमार द्विवेदी)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया हैइ :अत ,स पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

upshasanadesh.com